सबसे ज्यादा निवेश और रोजगार देने वाली कंपनियों पर क्यों ज्यादा हो कॉर्पोरेट टैक्स: उद्योग जगत

Publish Date:Thu, 04 Jul 2019 05:00 PM (IST)

Budget 2019 उद्योग जगत की मांग है कि सरकार टर्नओवर के आधार पर भेदभाव को खत्म कर सभी कंपनियों के लिए corporate tax की दर घटाकर 25 फीसद करे।

नई दिल्ली (बिजनेस डेस्क)। ऊंचे कॉरपोरेट टैक्स की मार से कराह रहे उद्योग जगत को मोदी सरकार-2 के पहले आम बजट से टैक्स में राहत की आस है। उद्योग जगत की मांग है कि सरकार टर्नओवर के आधार पर भेदभाव को खत्म कर सभी कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर घटाकर 25 फीसद करे। कॉरपोरेट टैक्स का बोझ हल्का होने से न सिर्फ घरेलू कंपनियां देश में अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित होंगी बल्कि विदेशी पूंजी भी भारत का रुख करेगी।

चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म एसआर डिनोडिया एंड कंपनी एलएलपी के पार्टनर संदीप डिनोडिया कहते हैं कि सरकार ने सालाना 250 करोड़ रुपये तक टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर

लेटेस्ट वीडियो

भारत चीन बैठक द्विपक्षीय मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए जयशंकर

दिग्विजय सिंह के कश्मीर बयान पर रविशंकर, "उनके बयान से बीजेपी का वोटशेयर बढ़ता है'

दिग्विजय सिंह के कश्मीर बयान पर रविशंकर, "उनके बयान स

बीजेपी विधायक सुरेंद्र सिंह ने SC /ST ACT को जातीवाद का जिम्मेदार ठैराया

NEXT STORIES

टैक्स का ज्यादा बोझ क्यों डाला जा रहा है।उल्लेखनीय है कि सरकार ने 2015-16 के आम बजट में कॉरपोरेट टैक्स की दर चरणबद्ध ढंग से चार साल में 30 फीसद से घटाकर 25 फीसद पर लाने तथा कंपनियों को मिल रही विभिन्न प्रकार की टैक्स छूट को समाप्त करने का एलान किया था।

सरकार ने 2017 के बजट में उन कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर घटाकर 25 फीसद कर दिया जिनका सालाना टर्नओवर 50 करोड़ रुपये से कम था। सरकार का दावा है कि इससे टैक्स रिटर्न दाखिल करने वाली 96 फीसद कंपनियों को लाभ हुआ था। इसके बाद सरकार ने 2018-19 के बजट में सालाना 250 करोड़ रुपये तक टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए भी कॉरपोरेट टैक्स की दर घटाकर 25 फीसद कर दिया। इसके बाद टैक्स रिटर्न दाखिल करने वाली सात लाख कंपनियों में से सिर्फ सात हजार कंपनियां ही ऐसी बची हैं जिनका सालाना टर्नओवर 250 करोड़ रुपये से अधिक है। उन पर 30 फीसद की दर से कॉरपोरेट टैक्स लगता है।

टर्नओवर के आधार पर भेदभाव ठीक नहीं

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को कॉरपोरेट टैक्स लगाते समय टर्नओवर के आधार पर कंपनियों के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिए। आरएन मारवाह एंड कंपनी एलएलपी के मैनेजिंग पार्टनर रघु मारवाह का कहना है कि वेतनभोगी वर्ग को फाइनेंस एक्ट, 2019 के जरिये प्रोत्साहन दिया जा चुका है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के पहले बजट में कॉरपोरेट को टैक्स में कटौती की उम्मीद है। कॉरपोरेट टैक्स की दर टर्नओवर के आधार के बजाय सभी कंपनियों के लिए 25 प्रतिशत होनी चाहिए। इससे भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने में मदद मिलेगी। साथ ही मिनिमम ऑल्टरनेट टैक्स की दर भी 18.5 से घटाकर 15 फीसद करनी चाहिए।विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में कॉरपोरेट टैक्स की दर उभरती हुई अन्य अर्थव्यवस्था तथा ऑर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कॉपरेशन एंड डेवलपमेंट यानी ओईसीडी के सदस्य देशों की अपेक्षा काफी अधिक है। इसके चलते विदेशी निवेशक यहां पूंजी लगाने से कतराते हैं।

Posted By: **Pawan Jayaswal**

अपने पसंदीदा टॉपिक्स चुनें

कोहली ने जड़ा शतक

CRICKET | 1 Day Ago
विराट कोहली ने रचा इतिहास, ये मुकाम हासिल करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

NEWS | 1 Day Ago
CBSE ने SC/ST छात्रों की परीक्षा फीस 24 गुना बढ़ाई, जनरल कटेगरी को किया दोगुना

POLITICS | 1 Day Ago
नजरबंदी के दौरान हिरासत में भिड़ गए उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती, जानिए- क्या थी वजह

NEWS | 23 Hours Ago
Jammu & Kashmir: बकरीद पर माहौल समान्य, सरकार की तरफ से पुख्ता इंतजाम, आईबी अलर्ट

WORLD | 1 Day Ago
भारत से Trade रुकने से पाक को लगा झटका, सामानों के दाम महंगे होने से बकरीद फीकी

TECHNOLOGY | 21 Hours Ago
Jio GigaFiber 5 सितम्बर को होगा लॉन्च, Forever Plan के साथ फ्री मिलेगा 4K टीवी और सेट-टॉप बॉक्स

NEWS | 1 Day Ago
लद्दाख सीमा के पास पाकिस्तान तैनात कर रहा लड़ाकू जेट, ना'पाक' साजिश पर सेना की कड़ी नजर

NEWS | 19 Hours Ago
किसान पेंशन योजना: यहां कराएं रजिस्ट्रेशन, किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

WORLD | 5 Hours Ago
पाकिस्तानी पत्रकार का दावा, LoC की तरफ बढ़ रही पाक सेना; अब्दुल

YOU MAY LIKE by mgid
NEXT STORIES